४. सौहार्द-सौमनस्य

सूचना के अनुसार कृतियाँ करो :

१) कृति पूर्ण करो :

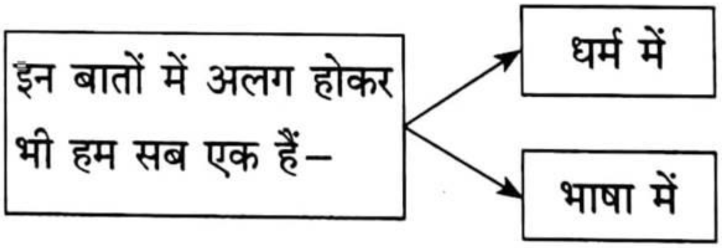

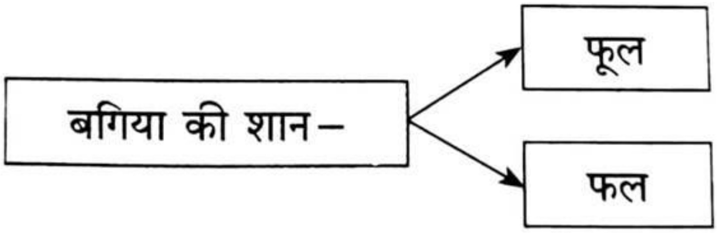

(२) कविता में इस अर्थ में प्रयुक्त शब्द लिखो :

१. दीपक = दीप

२. पुष्प = फूल

३. तिरस्कार : = नफरत

४. प्रेम = पयार

(३) कविता में प्रयुक्त विलोम शब्दों की जोड़ियाँ लिखो।
उत्तर:
१) एक ✕ अनेक
२) नगद ✕ उधार

भाषा बिंदु

पाठों में आए अव्ययों को पहचानो और उनके भेद बताकर उनका अलग-अलग वाक्यों में प्रयोग करो।
उत्तर :

(१) के बाहर (संबंधबोधक) - हमारी कक्षा के बाहर सुंदर फूल सजे हैं।

(२) की तरफ(संबंधबोधक) - विद्यालय के पूर्व की तरफ नदी है।
(३) के सामने(संबंधबोधक) - मंदिर के सामने भीड़ लगी है।
(४) के पीछे (संबंधबोधक) - हमारे घर के पीछे एक बाग है।
(५) क्योंकि (समुच्चयबोधक)- मैं चल नहीं सकती, क्योंकि पाँव में बहुत दर्द है।
(६) परंतु (समुच्चयबोधक)- दर्शन ने मेहनत तो बहुत की, परंतु सफल न हो सका।
(७) इसलिए (समुच्चयबोधक)- कल बहुत बारिश हुई इसलिए विद्यालय बंद था।
(८) तुरंत (क्रियाविशेषण) - माँ ने फोन पर कहा कि तुरंत घर पहुँचो।

उपयोजित लेखन

शालेय बैंड पथक के लिए आवश्यक सामग्री खरीदने हेतु अपने विद्यालय के प्राचार्य से विद्यार्थी प्रतिनिधि के नाते अनुमति माँगते हुए निम्न प्रारूप में पत्र लिखो :
उत्तर :

१० अक्तूबर, २०१९
सेवा में,
प्राचार्य महोदय,
नवनीत विद्यालय, सोलापुर,

विषय : शालेय बैंड पथक के लिए आवश्यक सामग्री खरीदने हेतु अनुमति ।

मान्यवर,
मैं हर्षित पाठक आपके प्रतिष्ठित विद्यालय का विद्यार्थी प्रतिनिधि हूँ। हमें शालेय बैंड पथक के लिए कुछ आवश्यक सामग्री की आवश्यकता है। इस सामग्री के अभाव में बैंड पथक के सदस्यों का अभ्यास प्रभावित हो रहा है। आपसे निवेदन है कि बैंड पथक के लिए अग्रलिखित सामग्री खरीदने की सामग्री अनुमति प्रदान करें। सामग्री की सूची इस प्रकार है :

(१) बेस ड्रम १
(२) बिगुल - १
(३) तुरही - १
(४) झाँझ - १ जोड़ी
(५) ट्राय एंगल – १
(६) साइड ड्रम – १ जोड़ी
(७) आयरिश बाँसुरी टिन सीटी - १

हमें आशा ही नहीं, पूर्ण विश्वास है कि हमारी प्रार्थना को स्वीकार करते हुए आप शीघ्रातिशीघ्र उपरोक्त सामग्री मँगाने के आदेश देंगे।

धन्यवाद सहित।

प्रार्थी,
हर्षित पाठक
विद्यार्थी प्रतिनिधि, कक्षा आठवीं (क)
नवनीत विद्यालय, सोलापुर,

कल्पना पल्लवन

'भारत की विविधता में एकता है', इसे स्पष्ट करो ।

उत्तर : भारत विविधता से परिपूर्ण देश है। इसके विभिन्न भागों, निवासियों तथा संस्कृतियों में बहुत अंतर है। कुछ प्रदेश तप्त एवं शुष्क हैं, तो कुछ अत्यंत ठंडे। कहीं वर्षा की अधिकता है, तो कहीं नितांत अभाव। तमिलनाडु, पंजाब और असम के निवासियों को देखकर कोई उन्हें एक ही देश का निवासी नहीं मान सकता। इन सभी विविधताओं के बावजूद संपूर्ण भारत एकता के सूत्र में बँधा है। यहाँ के विभिन्न धार्मिक स्थलों पर सभी भारतवासी जाते हैं। सभी प्रांतों में सभी प्रांतों के निवासी रहते हैं और वहीं का भोजन, रहन-सहन, भाषा आदि अपना लेते हैं। यहाँ का हर निवासी, चाहे वह किसी भी धर्म, जाति, समुदाय या प्रांत का हो, स्वयं को भारतमाता की संतान समझता है। भारतमाता हमारी माँ है, इस भावना ने हमें के एकता सुदृढ़ सूत्र में बाँध रखा है।